कौटिल्य एकेडमी

डेली करंट अफेयर्स (09-04-2024)

इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन :

- ईलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) भारत में चुनाव प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग बन गई है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में इसकी अहमियत को इस बात से समझा जा सकता है कि करीब दो दशक से हर संसदीय और विधानसभा चुनाव में इन्हें इस्तेमाल किया जा रहा है।

- ईवीएम को आशंकाओं, आलोचनाओं और आरोपों का भी सामना करना पड़ा है, लेकिन चुनाव आयोग का कहना है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने में ईवीएम बहुत अहम भूमिका निभाती है। हाल में हुए चुनावों के बाद ईवीएम पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए हैं। ऐसा तब है जब कई देश भारत द्वारा तैयार किए गए ईवीएम से अपने यहां चुनाव करवा रहे हैं या चुनाव करवाने में दिलचस्पी जाहिर की है।

विपक्षी दलों ने उठाया सवाल;-

- विपक्षी दलों ने ईवीएम की सत्यता पर प्रश्न उठाया है। कांग्रेस समेत कई दलों का आरोप है कि कई बड़े देशों में ईवीएम पर प्रतिबंध है, क्योंकि इसकी सुरक्षा और सत्यता पर कई देशों ने सवाल उठाया है। यही कारण है कि साल 2006, में ईवीएम का इस्तेमाल करने वाले सबसे पुराने देशों में शामिल नीदरलैंड ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया । वहीं, साल 2009 में जर्मनी की सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम को असंवैधानिक बताते हुए और पारदर्शिता को संवैधानिक अधिकार बताते हुए ईवीएम पर रोक लगा दी। नतीजों को बदले जाने की आशंका को लेकर नीदरलैंड और इटली ने भी ईवीएम पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं, इंग्लैंड और फ्रांस में ईवीएम का इस्तेमाल नहीं हुआ है। अमेरिका जैसे देश के कई राज्यों में ईवीएम पर रोक है।

वीवीपैट क्या है?;-

- विपक्षी दल वीवीपैट पर्चियों की 100 फीसद गिनती किए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके जरिये ये पता चल सकेगा कि मशीन सही है या नहीं। वोटर वेरिफायबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) कहा

जाता है| आम बोलचाल में इसे वीवीपैट भी कहा जाता है| यह ईवीएम से जोड़ी गई एक ऐसी प्रणाली है, जिससे मतदाता यह देख सकते हैं कि उनका वोट सही उम्मीदवार को पड़ा है या नहीं| ईवीएम की बैलेट यूनिट पर नीला बटन दबते ही बगल में रखी वीवीपैट मशीन में उम्मीदवार के नाम, क्रम और चुनाव चिह्न वाली एक पर्ची छपती है, सात सेकंड के लिए वह वीवीपैट मशीन में एक छोटे से पारदर्शी हिस्से में नजर आती है और फिर सीलबंद बक्से में गिर जाती है|

मतपत्रों की तुलना में सटीक नतीजे ;-

- ईवीएम में गड़बड़ी या इसके जरिये धांधली से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए चुनाव आयोग ने समय -समय पर कई कोशिशे भी की हैं| चुनाव आयोग के मुताबिक, ईवीएम बहुत ही उपयोगी है और यह पेपर बैलट यानी मतपत्रों की तुलना में सटीक भी होती है, क्योंकि इसमें गलत या अस्पष्ट वोट डालने की संभावना खत्म हो जाती है| इससे मतदाताओं को वोट देने में भी आसानी होती है और चुनाव आयोग को गिनने में भी| पहले सही जगह मुहर न लगने के कारण मत खारिज हो जाया करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होता|

पहली बार कब हुआ इस्तेमाल ;-

- पहली बार ईवीएम का इस्तेमाल साल 1982 में हुआ था| केरल विधानसभा की पारूर सीट पर हुए उपचुनाव के दौरान ईवीएम इस्तेमाल की गई, लेकिन इस मशीन के इस्तेमाल को लेकर कोई कानून न होने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने उस चुनाव को खारिज कर दिया था| इसके बाद, साल 1989 में संसद ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन किया और चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल का प्रावधान किया | इसके बाद भी इसके इस्तेमाल को लेकर आम सहमति साल 1998 में बनी और मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली की 25 विधानसभा सीटों में हुए चुनाव में इसका इस्तेमाल हुआ | बाद में साल 1999 में 45 सीटों पर हुए चुनाव में भी ईवीएम इस्तेमाल की गई | फरवरी 2000 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान 45 सीटों पर ईवीएम इस्तेमाल की गई| मई 2001 में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुदुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में सभी सीट पर मतदान के लिए ईवीएम इस्तेमाल हुई | 2004 के आम चुनावों में सभी 543 संसदीय क्षेत्रों में मतदान के लिए 10 लाख से ज्यादा ईवीएम इस्तेमाल की गई थीं|

ईवीएम ने बदल डाली प्रक्रिया;-

- ईवीएम के आने से मतदान प्रक्रिया तेज और आसान हो गई| पहले मतपत्रों की गिनती में कई-कई दिन लगा करते थे| इसीलिए चुनाव परिणाम भी देरी से आते थे | अब ईवीएम मशीन के जरिए मतों की गिनती बेहद तेजी से होती है और 5 से 6 घंटे में परिणाम आ जाते हैं|

कहां बनती है मशीन;-

- भारत में ईवीएम को आकार देने का श्रेय सरकारी कंपनी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड को जाता है| इन्हीं कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को विकसित किया और इसका परीक्षण किया|

राजीव कुमार, मुख्य चुनाव आयुक्त;-

- 40 बार इस देश की संवैधानिक अदालतों ने ईवीएम से जुड़ी चुनौतियों को देखा है| कहा गया था कि ईवीएम में सेंधमारी हो सकती है, चोरी हो जाती है, खराब हो सकती है, नतीजे बदल सकते हैं| हर बार संवैधानिक अदालतों ने इसे खारिज कर दिया|

तुत्सी समुदाय नरसंहार :

- 8 अप्रैल वर्ष 1994 के रवांडा नरसंहार की 30वीं बरसी पर वहां के लोगों के प्रति एकजुटता दर्शाने के लिए भारत ने ऐतिहासिक कुतुब मीनार को रोशनी से जगमग किया|
- यूनेस्को की धरोहर स्थल सूची में शामिल दक्षिणी दिल्ली स्थित मीनार को रवांडा के झंडे के रंगों में रोशन किया गया|

घटना से संबंधित बिंदु; -

- 6 अप्रैल 1994 को रवांडा के राष्ट्रपति जुवेनल हब्यारिमाना की हत्या कर दी गई थी|
- उस समय हुतु समुदाय की सरकार थी और उन्हें लगा यह हत्या तुत्सी समुदाय के लोगों ने की है |
- तुत्सी समुदाय के लोगों का 100 दिनों तक नरसंहार किया गया था|
- इस दौरान लगभग आठ लाख लोगों की हत्या कर दी गई थी|
- इस नरसंहार की याद में यूनाइटेड नेशन ने 7 अप्रैल को इंटरनेशनल डे ऑफ रिफ्लेक्शन घोषित किया था|

रवांडा के बारे में;-

- महाद्वीप - अफ्रीका
- पूर्व-मध्य अफ्रीका में भूमध्य रेखा के दक्षिण में स्थित भूमि से घिरा देश |
- राजधानी - किगाली
- राष्ट्रपति - पॉल कागामे
- प्रधान मंत्री - एडौर्ड नगिरेंटे
- मुद्रा- रवांडा फ्रैंक
- रवांडा उत्तर में युगांडा, पूर्व में तंजानिया, दक्षिण में बुरुंडी और पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (किंशासा) और किवु झील से घिरा है |

कुतुब मीनार:-

- कुतुब मीनार का निर्माण 1199 से 1220 में किया गया था।
- इमारत को बनाने की शुरुआत कुतुबुद्दीन-ऐबक ने की थी, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने इस मीनार का निर्माण कार्य पूरा किया।
- कुतुब मीनार की ऊंचाई 73 मीटर है इसका आधार व्यास 14.3 मीटर है।
- कुतुब मीनार को 1993 में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित किया गया था।
- इस इमारत में पांच अलग-अलग मंजिलें हैं, प्रत्येक को एक प्रोजेक्टिंग बालकनी और आधार पर 15 मीटर व्यास से शीर्ष पर सिर्फ 2.5 मीटर तक चिह्नित किया गया है।

आई-लीग प्रतियोगिता 2023-24 :

- मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने शिलांग लाजोंग क्लब को 2-1 से हराकर आई-लीग 2023-24 प्रतियोगिता को जीता है।
- फाइनल मुकाबला मेघालय के शिलांग के SSA ग्राउंड में आयोजित किया गया था।

अन्य बिंदु: -

- मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब का संबंध कोलकाता से है
- आई-लीग एक पेशेवर पुरुष फुटबॉल लीग है
- 2007-08 में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIIF) द्वारा शुरू किया गया था
- गोवा के डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब ने 2007-08 में पहली आई-लीग जीती थी ।
- डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब, आई-लीग इतिहास की सबसे सफल टीम भी है इसने 3 बार खिताब जीता है।
- AIFF की स्थापना 1937 में की गई थी।
- AIFF के वर्तमान अध्यक्ष कल्याण चौबे हैं।

मिरज में बने सितार और तानपुरा को जीआई टैग :

- महाराष्ट्र के एक छोटे कस्बे मिरज में बनाए जाने वाले सितार और तानपुरा को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। यह क्षेत्र वाद्य यंत्र बनाने के लिए प्रसिद्ध है। यह सांगली जिले में आता है।
- केंद्र सरकार की भौतिक संपदा कार्यालय ने 30 मार्च 2024 को निम्न संस्था को सितार और तानपुरा बनाने के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया: -
  - मिरज म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स क्लस्टर को सितार के लिए और
  - सोलट्यून म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट प्रोड्यूसर फर्म को तानपुरा के लिए जीआई टैग दिया।

- यह क्षेत्र वाद्ययंत्र बनाने के शिल्प कौशल के लिए जाना जाता है। मिरज में सितार और तानपुरा बनाने की परंपरा 300 साल से भी ज्यादा पुरानी है।
- मिराज म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स क्लस्टर के अध्यक्ष मोहसिन मिरजकर ने कहा कि संस्था में 450 से ज्यादा कारीगर काम करते हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य;-

- सबसे पहले GI Tag:-दार्जीलिंग चाय
- जीआई टैग 10 साल के लिए मिलता है
- भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का मुख्यालय -चेन्नई
- सबसे अधिक GI टैग वाला राज्य - उत्तर प्रदेश (69 GI टैग)
- दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है जहां 58 GI टैग उत्पाद है।
- सबसे अधिक GI टैग प्राप्त करने वाला क्षेत्र वाराणसी है।
- वाराणसी में GI टैग उत्पाद की संख्या 30 है।

2024 के प्रमुख GI टैग;-

- माजुली मुखौटे - असम
- पांडुलिपि पेंटिंग - असम
- क्रोकेट फीता शिल्प - आंध्रप्रदेश
- चांदी तारकशी (कटक) - ओडिशा
- लांजिया सौरा पेंटिंग - ओडिशा
- डोंगरिया कोंध शॉल- ओडिशा
- सिमिलिपाल काई चटनी - ओडिशा
- कोरापुट कालाजीरा चावल-ओडिशा
- तंगेल साड़ी - पश्चिम बंगाल
- गारद साड़ी - पश्चिम बंगाल

डेली करंट अफेयर्स (MCQ)

1. मिरज में बने सितार और तानपुरा को जीआई टैग प्रदान किया गया है यह किस राज्य से संबंधित है ?

(A) मध्य प्रदेश
(B) छत्तीसगढ़
(C) राजस्थान
(D) महाराष्ट्र

Ans;-महाराष्ट्र

2. तुत्सी समुदाय के नरसंहार के 30 साल पूरे होने पर कुतुब मीनार पर किस देश का झंडा रोशन किया गया है?

(A) युगांडा
(B) रवांडा
(C) मोजांबिया
(D) यूक्रेन

Ans;-रवांडा

3. दक्षिण चीन सागर में किन देशों ने मिलकर अपना पहला संयुक्त नौसैनिक अभ्यास का शुरु किया है?

(A) ऑस्ट्रेलिया
(B) जापान
(C) अमेरिका
(D) फिलिपींस
(E) उपरोक्त सभी

Ans;-उपरोक्त सभी

4. आई-लीग प्रतियोगिता 2023-24 का खिताब किसने जीता है?

(A) मोहम्मडन स्पोर्टिंग
(B) गोवा एफसी
(C) मोहन बागान
(D) शिलांग लाजोंग क्लब

Ans;-मोहम्मडन स्पोर्टिंग

5. CRPF वीरता दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 8 अप्रैल
(B) 9 अप्रैल
(C) 10 अप्रैल
(D) 11 अप्रैल

Ans;-9 अप्रैल

6. परमाणु ऊर्जा विभाग ने वर्ष 2047 तक भारत की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,000 मेगावाट से बढ़ाकर कितना करने का लक्ष्य रखा है?

(A) 50000 मेगावाट
(B) 1 लाख मेगावाट
(C) 2 लाख मेगावाट
(D) 3 लाख मेगावाट

Ans:-1 लाख मेगावाट